

1. पत्, पतति Naigh. 2, 14. Dhātup. 20, 15; पतति, पतिम् ved., पतियुत्, पतिसु ved., पतिसु, पतिर्विसु ved., पतुषी; अपतत् P. 7, 4, 19. Vop. 8, 125; पतिष्यति, पतिता; ep. auch med.: पतिवै. पतितुम्; पतित P. 7, 2, 15. Vop. 26, 107. 1) *fliegen, sich in der Luft schnell bewegen, dahin eilen* RV. 4, 27, 4. 5, 39, 7. वयौ अत्तरिन्ते पतन्तः 10, 80, 5. AV. 13, 2, 36. VS. 18, 52. MBh. 1, 8375. 8, 1904. पतधम् ebend. पतिता 1907. fg. 49. 12. पततां (vgl. पतत्) वरम् 1, 8390. 4, 51. Bhāg. P. 8, 6, 39. वयसः पतमानस्य (इवमानस्य R. Gorr. 2, 114, 17) R. 2, 105, 29. पती पयात खम् BHATT. 5, 100. अहं पतिष्यामि विहायसम् MBh. 8, 1903. तेषु तेषु पतन्वीरो भवनेषु मरुत्कपिः R. 5, 12, 16. चपलमधुपः पुष्यमध्ये पयात Spr. 822. यद्वा रथो विभिष्यतात् RV. 1, 46, 3. 2, 16, 3. इष्वः 6, 73, 11. AV. 6, 52, 2. अशनिः RV. 4, 16, 17. 7, 25, 1. 85, 2. अरिरो दिवं मा पतः VS. 1, 26. पतति हूरं वातो वनादधि RV. 4, 29, 6. पतन्ति मिहः 79, 8. Cat. Br. 3, 6, 2, 6. 4, 1, 2, 26. जिह्वाया अग्रं पतत् RV. 3, 39, 3. केनेषितं पतति प्रेषितं मनः KRNOP. 1. पतित u. Flug MBh. 8, 1910. 1913. — 2) *sich herablassen, sich niederlassen, sich senken, sich niederwerfen, sich stürzen, sich werfen*: पतति शलभसमूह इवाश्रमदुमेषु Çik. 31. पतत्पतंग die sich senkende, zum Untergang sich neigende Sonne Çic. 1, 12. अरुरा दिशमास्याय पतमानि दिवाकरे MBh. 6, 480. चन्द्रः पतति गगणादल्पदोषैर्मपूषैः ad Çik. 78. तत्पादप्रक्षवपतताम् *warfen sich nieder* Bhāg. P. 3, 13, 35. एहि गच्छ पतोत्तिष्ठ Spr. 379. कस्माहं पादयोः पतिता मम R. 5, 63, 2. Çik. 56, 18. 107, 14. VIEB. 33, 9. Hit. 1, 76. Kathās. 10, 175. पादपतित 9, 65. Megh. 103. पयात चरणौ (acc. st. des gebräuchlicheren loc.) R. 2, 75, 17. ऊया ते पतते मूर्धा *wirft sich mit dem Kopfe dir zu Füßen* Hariv. 10071. पतत्येष गतो जलः (lies mit WESTERGAARD जलम्) MBh. 1, 1366. (सर्पाः) पेतुर्गते विभावसौ 2036. पतद्रामो ज्वलितं वा कृताशनम् R. Gorr. 2, 49, 27. पयाताङ्गे मुनेः R. 1, 62, 4. लक्ष्मोर्यत्र पतति तत्र विवृतद्वारा इव व्यापदः Spr. 349. — 3) *herabfallen, niederfallen, herabstürzen, zusammenstürzen, einstürzen, umfallen, abfallen, ausfallen*: नभः पतिष्यत्तमिव (bei einem subst. neutr. ein adj. in der masc. Form) Hariv. 8799. भानुरप्यपतिष्यत्तमाम् BHATT. 21, 6. दीप्तयापति (impers.) चोत्क्रया 13, 27. पतति च सलिलं खात् VARIB. BH. S. 9, 44. 25. 5. BHATT. 7, 9. मध्येव पतितो धूमकेतुः Dhātās. 76, 1. पतिनेनाम्सा क्वः पतमानेन चासकृत् Daç. 1, 17. पुष्यवृष्टिः पयात ह MBh. 3, 2995. R. 1, 19, 10. अत्राशुवस्यापारि पुष्यवृष्टिः पयात Ragh. 2, 60. संतानक्रमयो वृष्टिर्भवेन चास्य पेतुषी 10, 78. रेणुः पतति — आश्रमदुमेषु Çik. 31. Ragh. 12, 82. Megh. 105. पतमानां सरिच्छ्रेष्ठा धारयिष्ये त्रिविष्टपान् MBh. 3, 9951. नदाः कुमुदापात्पततः Bhāg. P. 5, 16, 25. यत्र भागीरथी गङ्गा पतते दिशमुत्तराम् MBh. 13, 1702. पर्वतैः पतमानिः Arā. 9, 10. नगाद्यादिव शीर्षानां शृङ्गाणां पतताम् MBh. 3, 2540. पतितानि पर्षानि, फलानि 2816. पतते (किंवा भुजाः) 8, 2544. Mārk. P. 17, 4, 49, 30. वस्त्रभरणानि पतितानि Vet. in LA. 14, 4. सुकृञ्जने पतति न दारुणाः शराः Çik. 156. नपादेव ब्रह्मदाडः पतेन्न किम् Rāgā-Tar. 4, 650. fgg. विप्रुषो ऽङ्गे पतति याः M. 3, 141. Çuk. in LA. 40, 14. भत्राङ्गपतितं तोयम् R. 1, 44, 28. अश्रु च कपोलपतितम् Çik. 142. यथा च पुष्करस्यान्नाः पतन्ति वशवर्तिनः MBh. 3, 2286. वृन्नेषारुह्य संरब्धाः पतिता विषमेषु च MBh. 3, 2545. पर्वतात्पतितः P. 1, 4, 24. Sch. प्रासादात्पतितः 2, 1, 38. Sch. अलकपतितैः — मन्दारपुष्पैः Megh. 68. कर्तं पतित्वा AV. 4, 12, 7. Cat. Br. 14, 7, 4, 20. वनैकसः पततस्तोये Daç. 1, 23. एवं स्वकर्मपतितं (जनं) भववैतरणायाम्

IV. Theil.

Bhāg. P. 7, 9, 41. 4, 22, 13. स मुमाह पयात च MBh. 3, 709. 2375. 7. 8318. fg. Draup. 5, 24. M. 11, 112. R. 1, 28, 26. Ragh. 9, 61. Kathās. 35, 58. पयात सहसा भूमौ R. 2, 72, 16. 34, 17. MBh. 3, 2400. Sund. 4, 19. Ragh. 3, 61. अ्रमध्ये वा पतेन्मतः M. 11, 96. तावत्तत्पतितं गृहम् Kathās. 28, 140. 128. कथमेतत्कुचदंढं पतितम् पतति गिर्या ऽपि Spr. 590. 568. अशपत्यततादेहे निमैः पण्डितमानिनः Bhāg. P. 9, 13, 4. 5. साकं जरायुषा पत AV. 1, 11, 6. यथा सो अस्य परिधिष्यताति 5, 29, 2. रथात्पयात Cat. Br. 1, 7, 3. 19, 3, 8, 2, 17. कराभ्यां सशरं चापम् — अतदुवि Daç. 1, 32. Spr. 835. (शल्यम्) नयनादिभ्यः पतति Suçr. 1, 99, 19. अशक्ता दशना यस्य श्यावा वा स्युः पतति च 115, 1. पतितमूर्धज MBh. 3, 16157. पतित = पत्र. गलित, द्युत u. s. w. H. 1490. HALAJ. 4, 82. = प्रस्कन्न wohl gefallen in der Schlacht H. 806. HALAJ. 2, 324. — 4) *vom Himmel zur Erde niederfahren* (freiwillig oder gezwungen, von Himmelsbewohnern): स (नारदः) पयात नरेन्द्राणां मध्ये पावकसंनिभः Hariv. 6510. साधी सा पतिता ततः । दास्यास्तस्य गृहे द्वारि Kathās. 34, 83. पतति पितरो क्षेषां लुप्तपिण्डादक्रियाः Bhāg. 1, 42. नीपो पुण्ये पतिताम्यथ MBh. 1, 3566. fg. 5. 4055. fg. पत भूमिमवाकिशराः R. 1, 60, 17. fg. पाप पतस्व मही सर्पो भव MBh. 12, 13216. दिव्याः पतत्येव शायान्मानुषयोनिषु Kathās. 27, 76. 36, 119. स्वर्गपतितः des Himmels verlustig gegangen P. 2, 1, 38. Sch. — 5) *zur Hölle niederfahren*: नेञ्जिह्वा पत्यो नरकं पताम Nir. 1, 11 (vgl. Sch. zu P. 3, 4, 8. 8, 1, 30). R. Gorr. 2, 49, 27. नरकं पतितः, नरकपतितः P. 2, 1, 24. Sch. पतति नरके ऽश्रुचौ Bhāg. 16, 16. M. 11, 37. अन्धतामिन्ने 4, 197. पातालमुखे Draup. 5, 4. अद्यः M. 11, 172. — 6) *fallen* (in moralischem Sinne): प्रायः कण्डुकपातेनोत्पतत्यार्याः पतन्नपि । तथा लनार्यः पतति मृत्युपण्डने यथा ॥ BHATT. Suppl. 14. *fallen, stürzen* s. v. a. seiner Kaste — seiner Stellung verlustig gehen: परधर्मेणा जीवन्किं सद्यः पतति ज्ञातितः M. 10, 97. स्तेनो हिरण्यस्य सुरां पिबंश्च गुरोस्तल्पमावसन्नक्षका चैत पतति KHAND. Up. 5, 10, 9. M. 3, 16, 4, 204. 5, 19, 9, 200. 10, 92. JĀÉN. 1, 38. अग्रिम्य परं नारी पतिष्यति (könnte viell. auch bedeuten wird zur Hölle niederfahren) न संशयः MBh. 1, 4203. पुरंदराणां शतं शतं च परमेष्ठिनां पततु वा मुनीनां शतम् PraB. 24, 11. पतित Kauç. 57. ĀÇV. GRHJ. 4, 9. PĀR. GRHJ. 2, 11. VS. Prāt. 8, 34. M. 3, 92. 4, 79. 5, 85. 9, 53. 63. 79. 118. 144. JĀÉN. 1, 148. Suçr. 1, 7, 13. 108, 10. Kathās. 7, 48. VP. bei Muir, Sanscrit Texts I, 147. Z. 8 u. 9 in der N. पतितवृत्त Hariv. 4847. अपतित M. 8, 389. सावित्रीपतित der Sā v. verlustig gegangen M. 2, 39. JĀÉN. 1, 38; vgl. पतितसावित्रीक. — 7) *fallen auf* s. v. a. *sich richten auf, treffen*: प्रसादमौम्यानि सतां सुकृञ्जने पतति चतूषि Çik. 156. ततो गात्रेषु पतिता तेषां दृष्टिः MBh. 3, 2199. अर्हस्यसर्भवनपतितां कर्तुम् — विशुद्धन्मेषदृष्टिम् Megh. 79. न मे कृष्णिकाणि पतत्यसत्पथे यत् Bhāg. P. 2, 6, 33. व्यक्तं मयि च तस्यां च पतितो हि विपर्ययः s. v. a. *zu Theil geworden* R. 2, 22, 20. प्रजाभिशापि पतिते Rāgā-Tar. 3, 209. — 8) *gerathen in*: मरुत्पङ्के पतितो ऽहम् Hit. 41, 16. चित्रं यच्छूपादेो ऽप्येनां पतितामपि गोचरे नाबधीत् Kathās. 9, 60. तदासन्नगोष्ठेषु पतिष्यसि Hit. 1, 197. दुर्जनवागुरासु पतितः Spr. 754. निक्षेपे पतति (loc.) कुर्ये Pāñāt. 1, 16. विषमपातितः (so ist wohl zu lesen) III, 237. विचारपतित Kathās. 33, 21. घोरया धूपाकृत्यायां पतते so v. a. *macht sich dieser Sünde schuldig* Pāñāçara bei KULL. zu M. 3, 45 (S. 193, 1. fg.). अवंशपतित so v. a. *aus niedrigem Geschlecht stammend* Spr. 240. मध्यपतित so v. a. *dazwischen befindlich*

25*